CBSE Class 09 Hindi B

आदर्श प्रश्न पत्र - 02 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

शिक्षा और गुरु के माध्यम से ही अपने आंतरिक गुणों को हम प्रकाश में लाते हैं। यदि धर्म के मार्ग पर चलकर मानव विज्ञ बनता है। तो वह अपने जीवन के मार्ग के विकास के लिए अनवरत लगकर जीवन को सफल बनाता है और सम्यक ज्ञान, गुण, धर्म से अपने जीवन को ब्रह्म से जोड़कर करोड़ों जन्मों के कर्मों से मुक्ति प्राप्त करता है, किन्तु यह शिक्षा के द्वारा ही संभव है। शिक्षा भी दो माध्यमों से मिलती है। एक जीविकोपार्जन का माध्यम बनती है तथा दूसरी से जीवन-साधना संभव होती है। दोनों में परिपूर्णता गुरु के माध्यम से ही होती है। जीविकोपार्जन की शिक्षा पाकर यह संसार बड़ा सुखमय प्रतीत होता है और जलते हुए दीपक के प्रकाश जैसा वह बाहरी जीवन में प्रकाश पाता है। दूसरी शिक्षा पाने के लिए सद्गुरु की तलाश होती है। वह सद्गुरु कहीं भी कोई भी हो सकता है, जैसे तुलसीदास की सच्ची गुरु उनकी पत्नी थी, जिनकी प्रेरणा से उनके अंतर्मन में प्रकाश भर गया और सारे विकार धुल गए। मन स्वच्छ हो गया। अपने दुर्लभ जीवन को सफल बनाकर हमेशा-हमेशा के लिए सुखद जीवन जिए। ऐसे ही ब्रह्म-ज्ञान व आत्मनिरूपण की सच्ची शिक्षा के बिना सार्थक जीवन नहीं मिलता। सच्चा ज्ञान मुक्ति का मार्ग है।

i. व्यक्ति करोड़ों जन्मों के कर्मों से कैसे मुक्ति पाता है? (2)
ii. शिक्षा किन-किन माध्यमों से मिलती है? (2)
iii. तुलसीदास पर उनकी सच्ची गुरु का क्या प्रभाव पड़ा? (2)
iv. जीविकोपार्जन की शिक्षा से मनुष्य को क्या प्राप्त होता है? (2)
v. हम अपने आन्तरिक गुणों को कैसे प्रकाश में लाते हैं? (1)
vi. तुलसीदास की गुरु कौन थीं? (1)

खंड - ख (व्याकरण)

2. ________ का वर्ग उसके गुणों के आधार पर तय किया जाता है।

a. इनमें से कोई नहीं।

b. पद

c. शब्द और पद

d. शब्द

3. सही या गलत बताओ कि शब्दों का रूप स्वतंत्र होता है , जबकि पद स्वतंत्र रचना नहीं है |

a. पता नहीं

b. सही

c. गलत

d. इनमें से कोई विकल्प सही नहीं है|

4. निम्नलिखित शब्दों में से उस शब्द को चुनिए जिसमें अनुस्वार का प्रयोग होता है।

a. दावत

b. सावला

c. सगति

d. सूघना

5. निम्नलिखित में से किस शब्दों में अनुनासिक ध्वनि प्रयोग नहीं की गई है?

a. दिसंबर

b. आँखें

c. फूँकना

d. झाँका

6. निम्नलिखित पद 'इक' प्रत्यय लगाने से बने हैं। कौन-सा पद गलत है?

a. स्वाभाविक

b. वैज्ञानिक

c. राजनीतिक

d. भौतिकी

7. हिंदी में कितने प्रकार के प्रत्यय होते हैं ?

a. चार

b. दो

c. तीन

d. एक

8. निम्नलिखित में से किस शब्द में उपसर्ग प्रयोग किया गया है ?

a. चिंतन

b. अतिरिक्त

c. प्यास

d. भारतीयता

9. 'निर्जन' शब्द में कौन-सा उपसर्ग प्रयोग किया गया है?

a. जन

b. नि:

c. नि

d. निर्

10. 'समान' शब्द का श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द निम्न में से किसे कहेंगे ?

a. असमान

b. दामन

c. सामान

d. आसमान

11. वे शब्द जो सुनने व उच्चारण करने में समान प्रतीत हों , परन्तु उनके अर्थ भिन्न-भिन्न हों ,उन्हें __________कहते हैं ।

a. पर्यायवाची शब्द

b. श्रुतिसम भिन्नार्थक

c. शब्दार्थ

d. समानार्थी शब्द

12. 'गंगा' शब्द का पर्यायवाची बताइए।

a. अंतराल

b. सुरसरी

c. पताका

d. लालसा

13. 'उत्तम' शब्द का पर्यायवाची बताइए।

a. कामना

b. अंबुज

c. प्रधान

d. सुत

14. 'उत्थान' शब्द का विलोम बताइए।

a. तरल

b. उदय

c. पतन

d. उष्ण

15. 'खरा' शब्द का विलोम बताइए।

a. सीधा

b. शुद्ध

c. नमकीन

d. खोटा

16. आज्ञावाचक वाक्य किसे कहते हैं ?

a. जिससे किसी आज्ञा का बोध हो

b. जिस वाक्य से आश्चर्य का बोध हो

c. मिश्रित वाक्य को

d. संयुक्त वाक्य को

17. अर्थ के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं ?

a. आठ

b. चार

c. दो

d. तीन

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. अपने बेटे का इलाज ओझा से कराना बुढ़िया को किस तरह भारी पड़ गया?

b. लेखक अतिथि को कैसी विदाई देना चाहता था?

c. लेखक की दृष्टि में धर्म की भावना कैसी होनी चाहिए?

19. दुःख का अधिकार पाठ के आधार पर जिंदा आदमी नंगा रह सकता है, परन्तु मुर्दे को नंगा कैसे विदा किया जाए आशय स्पष्ट कीजिए।

OR

हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं?

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

   a. **रैदास** ने अपने स्वामी को किन-किन नामों से पुकारा है?

   b. भाव स्पष्ट कीजिए- पानी गए ने ऊबरै, मोती, मानुष, चून।

   c. मन्दिर से प्रसाद लेकर लौटने के बाद पिता की स्थिति का वर्णन कीजिए। **एक फूल की चाह** कविता के आधार पर लिखिए।

21. विपत्ति में हमारा सहायक कौन बनता है? रहीम के दोहों के आधार पर उत्तर दीजिए।

OR

निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य सौन्दर्य लिखिए-
ऊँचे शैल शिखर के ऊपर
मंदिर था विस्तीर्ण विशाल।
स्वर्ण कलश सरसिज विहँसित थे,
पाकर समुदित रवि-कर जाल।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

   a. लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था?

   b. हामिद खाँ लेखक के मुल्क जाकर अपनी आँखों से क्या देखना चाहता था?

   c. जज को पटेल की सजा के लिए आठ पंक्तियों का फैसला लिखने में डेढ़ घण्टा क्यों लगा? दिए जल उठे पाठ के आधार पर लिखिए।

खंड - घ (लेखन)

23. **कमरतोड़ महँगाई** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

OR

परीक्षा के कठिन दिन विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

24. अपने छोटे भाई को अध्ययनशील होने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

OR

ग्रीष्मावकाश साथ बिताने के लिए मित्र को पत्र लिखिए।

25. आपके दादा जी घर पर नहीं है और उनके मित्र का फोन आता है, उन्हें 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

OR

दीपावली पर मित्र को शुभकामना देते हुए संदेश लिखिए।

26. सिनेमा देखकर निकलते हुए पति-पत्नी का संवाद लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

OR

मारपीट करने वाले एक छात्र और अनुशासन समिति के अध्यक्ष का संवाद लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

27. हिंदी दिवस पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

OR

कोरोना योद्धाओं के विषय पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

9 Hindi B SP-02

Class 09 - Hindi B

Solution

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. सम्यक ज्ञान, गुण, धर्म से अपने जीवन को ब्रह्म से जोड़कर व्यक्ति करोड़ों जन्मों के कर्मों से मुक्ति प्राप्त करता है।
   ii. शिक्षा दो माध्यमों से मिलती है। एक जीविकोपार्जन का माध्यम बनता है तथा दूसरी से जीवन साधना संभव होती है।
   iii. तुलसीदास की सच्ची गुरु अपनी पत्नी की प्रेरणा से उनके अंतर्मन में प्रकाश भर गया और सारे विकार धुल गए।
   iv. जीविकोपार्जन की शिक्षा प्राप्त कर मनुष्य को यह संसार बड़ा सुखमय प्रतीत होता है और जलते हुए दीपक के प्रकाश जैसे वह बाहरी जीवन में प्रकाश पाता है।
   v. शिक्षा और गुरु के माध्यम से।
   vi. तुलसीदास की गुरु उनकी पत्नी थीं।

खंड - ख (व्याकरण)

2. (d) शब्द

   Explanation: शब्द - संज्ञा, सर्वनाम
3. (b) सही

   Explanation: सही- शब्दों के उचित व्याकरणिक प्रयोग से ही पद की रचना होती है ।
4. (c) सगति

   Explanation: सगति। संगति में अनुस्वार का प्रयोग होता है।
5. (a) दिसंबर

   Explanation: दिसंबर I
6. (d) भौतिकी

   Explanation: भौतिकी (भौतिक +ई)
7. (b) दो

   Explanation: दो (तद्धित प्रत्यय, कृत प्रत्यय)
8. (b) अतिरिक्त

   Explanation: अतिरिक्त (अति+रिक्त= अधिक)
9. (d) निर्

   Explanation: निर् (निर्+जन)
10. (c) सामान

    Explanation: सुनने व उच्चारण में एक परन्तु अर्थ में भिन्नता रखने के कारण दोनों श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द हैं ।
11. (b) श्रुतिसम भिन्नार्थक

Explanation: दी गई पंक्ति श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द की परिभाषा है ।

12. (b) सुरसरी

    Explanation: गंगा-सुरसरी

13. (c) प्रधान

    Explanation: उत्तम - प्रधान

14. (c) पतन

    Explanation: उत्थान - पतन

15. (d) खोटा

    Explanation: खरा - खोटा

16. (a) जिससे किसी आज्ञा का बोध हो

    Explanation: आज्ञा का बोध कराने वाले वाक्य को आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं।

17. (a) आठ

    Explanation: अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं।

    वे निम्नलिखित हैं :-

    i. विधिवाचक वाक्य
    ii. निषेधवाचक वाक्य
    iii. आज्ञावाचक वाक्य
    iv. प्रश्नवाचक वाक्य
    v. विस्मयादिबोधक वाक्य
    vi. संदेहसूचक वाक्य
    vii. इच्छाबोधक वाक्य
    viii. संकेतवाचक वाक्य

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

    a. जवान बेटे को साँप ने डॅस लिया है, उसे सुनते ही बुढ़िया बावली हो गई। वह भागकर ओझा को बुला लाई ओझा ने झाड़-फूक किया, नाग पूजा की, दान-दक्षिणा लिया किंतु उसके बेटे भगवाना की जान नहीं बच सकी। इस तरह ओझा से इलाज कराना बुढ़िया को भारी पड़ गया।

    b. लेखक अतिथि को सम्मानजनक और भावपूर्ण विदाई देना चाहते थे। उसके सत्कार का आख़िरी छोर आ चुका था। लेखक और उनकी पत्नी ने पहले दिन अतिथि का बहुत अच्छे से आदर-सत्कार किया था लेखक ने उनके साथ ढेर सारी बाते की, उन्होंने खूब ठहाके भी लगाये। लेखक अतिथि का भरपूर सत्कार कर चुके थे और वे अगले दिन

अतिथि को सम्मानपूर्वक विदा करना चाहते थे। लेकिन अतिथि लेखक और उसके परिवार के लिए विवशता का पर्याय बन गए थे और इस प्रकार लेखक जैसी विदाई अतिथि को देना चाहते थे नहीं दे पाए।

c. लेखक के अनुसार, धर्म के विषय में मानव स्वतन्त्र होना चाहिए। हर व्यक्ति आजाद हो। वह जो धर्म अपनाना चाहे, अपनाए। कोई किसी की स्वतन्त्रता में बाधा न खड़ी करे। धर्म का सम्बन्ध हमारे मन से, ईमान से, ईश्वर और आत्मा से होना चाहिए।

19. जिंदा आदमी नंगा रह सकता है, परन्तु मुर्दे को नंगा कैसे विदा किया जाएकथन द्वारा समाज में व्याप्त अंध-विश्वास व कुरीतियों पर प्रहार किया गया है। समाज में जीवित व्यक्ति की कद्र नहीं होती पर मृतक को नए कपड़े पहनाकर ही विदा किया जाता है। व्यक्ति चाहे जीवन भर अभावग्रस्त रहे परन्तु किसी के मरने पर अंतिम संस्कार में रीति रिवाजों का पालन करने के लिए बाध्य होना पड़ता है। भले ही वह यह भार उठाने में सक्षम हो या नहीं, चाहे इसके लिए घर की स्त्रियों को अपने गहने ही क्यों न बेचने पड़े।

OR

हिमपात में बर्फ गिरती है। कभी-कभी बर्फ के भारी टुकड़े भी गिरते हैं। हिमपात अनिश्चित और अनियमित होता है। इससे अनेक प्रकार के परिवर्तन आते रहते हैं। ग्लेशियर के बहने से अक्सर बर्फ में हलचल हो जाती है जिससे बर्फ की चट्टानें तत्काल गिर जाती हैं। इससे धरातल पर दरारें पड़ जाती हैं और यह दरारें चौड़े हिम-विदर में बदल जाती हैं। कभी-कभी स्थिति खतरनाक रूप धारण कर लेती है।

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. कवि ने अपने स्वामी को कई नामों से पुकारा है। वह ईश्वर को गरीब निवाजु, लाल, गोबिंद गोसाईं, आदि नामों से संबोधित करता है। प्रभु के नाम भले ही अनेक हों, लेकिन गरीबों का उद्धार करने वाला वो ईश्वर एक ही है, जो बिना किसी भेदभाव के अपने भक्तों पर समान रूप से कृपा बरसाता है। वे सभी पर अपना प्रेम लुटता है। कवि ईश्वर के प्रति अपने भक्ति भाव को प्रकट करने के लिए उसे कई अलग-अलग नामों से पुकार रहा है।

b. इस पंक्ति का भाव यह है कि मोती में चमक न रहे तो वह व्यर्थ हो जाता है। ठीक इसी तरह प्रतिष्ठित मनुष्य का मान-सम्मान ही सब कुछ होता है। मनुष्य का आत्म-सम्मान न रहे तो उसका जीवन बेकार है और यदि आटे में पानी ना हो तो वह खाने लायक नहीं होता। पानी के बिना ये तीनों ही उभर नहीं सकते हैं।

c. मन्दिर से प्रसाद लेकर लौटने के बाद पिता को फूल ले जाते हुए लोगों ने पकड़ लिया और अछूत कहकर उसका तिरस्कार किया। उसे जेल में सात दिन बिताने पड़े।

21. रहीम दास जी कहते हैं कि जिसके पास अपना कुछ नहीं, दूसरे भी उसकी सहायता नहीं कर सकते। संसार में अपनी सम्पत्ति अपनी योग्यता के बिना कुछ भी प्राप्त नहीं होता। अत: मुसीबत के समय अपने आत्मबल को बनाए रखना चाहिए। जिस तरह सूखते हुए कमल को जल ही बचा सकता है। जल ही जलज का जीवन है। सूरज की ऊष्मा नहीं। कमल जल में

से जन्म लेता है। जल के न होने पर सूरज भी कमल को जीवन दान नहीं कर सकता।

OR

इन काव्य पंक्तियों में पर्वत चोटी पर बने मंदिर की विशालता एवं सुंदरता का प्रभावी चित्रण किया गया है। मंदिर के ऊपर स्वर्ण कलश सूर्य की किरणों के प्रभावस्वरूप कमल जैसे खिले प्रतीत होते हैं। यह दृश्य अत्यंत मनोहारी प्रतीत होता है। 'शैल शिखर' 'विस्तीर्ण विशाल' में अनुप्रास अलंकार की छटा है। उपमा एवं रूपक अलंकारों का प्रयोग हुआ है।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. लेखिका के गिल्लू को अपनी सेवा-सुश्रुषा से पूर्ण रूप से स्वस्थ कर दिये जाने पर वह उनसे घुलमिल कर अपना स्नेह प्रदर्शित करने लगा। वह इस हेतु कभी कमरे में लगे परदों पर चुस्ती-फुर्ती में चढ़ जाता और फिर तुरंत उसी गति से वापस नीचे उतर जाता था। वास्तव में वह लेखिका का अपनी ओर ध्यान आकृष्ट कराने के लिए ऐसा करता था। गिल्लू ऐसा तब तक करता है जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए उसके पीछे नही दौडती। कहने का अर्थ है उसके अंदर अन्य सूक्ष्म जीवों की भांति ही लेखिका से लगाव हो गया था। पशु-पक्षियों और जानवरों का मानव के साथ आत्मीय संबंध बन जाता है ऐसा ही कुछ संबंध गिल्लू का लेखिका के साथ बन गया था।

b. जब लेखक ने हामिद खाँ को यह बताया कि मालाबार (केरल) में हिन्दू-मुसलमान मिलकर रहते हैं, एक दूसरे के तीज त्योहार में शामिल होते हैं, उनमें दंगे न के बराबर होते हैं, भारत में मुसलमानों द्वारा पहली मस्जिद का निर्माण उसके राज्य में ही किया गया। हामिद खाँ को इन सब बातों पर विश्वास नहीं हो रहा था। वह ऐसी अच्छी जगह को अपनी आँखों से देखना चाहता था।

c. बल्लभभाई पटेल को निषेधाज्ञा के उल्लंघन के अपराध में गिरफ्तार किया गया । बोरसद की अदालत में लाया गया जहाँ उन्होंने अपना अपराध कबूल कर लिया। जज के समक्ष यह समस्या थी कि वह उन्हें किस धारा के तहत और कितनी सजा दे। इस कारण उसे पटेल की सजा के लिए आठ लाइन के फैसले को लिखने में डेढ़ घण्टा लगा।

खंड - घ (लेखन)

23. वर्तमान समय में निम्न-मध्यम वर्ग महँगाई की समस्या से त्रस्त है। महँगाई भी ऐसी, जो रुकने का नाम ही नहीं लेती, बढ़ती ही चली जा रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार का महँगाई पर कोई नियन्त्रण रह ही नहीं गया है। महँगाई बढ़ने के कई कारण हैं। उत्पादन में कमी तथा माँग में वृद्धि होना महँगाई का प्रमुख कारण है। कभी-कभी सूखा, बाढ़ तथा अतिवृष्टि जैसे प्राकृतिक प्रकोप भी उत्पादन को प्रभावित करते हैं। वस्तुओं की जमाखोरी भी महँगाई बढ़ने का प्रमुख कारण है। जमाखोरी से शुरू होती है कालाबाजारी, दोषपूर्ण वितरण प्रणाली तथा अन्धाधुन्ध मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति। सरकारी अंकुश का अप्रभावी होना महँगाई तथा जमाखोरी को बढ़ावा देता है। सरकार अखबारों में तो महँगाई कम करने की बात करती है। पर वह भी महँगाई बढ़ाने में किसी से कम नहीं है। सरकारी उपक्रम भी अपने उत्पादों के दाम बढ़ाते रहते हैं। इस जानलेवा महँगाई ने आम नागरिकों की कमर तोड़कर रख दी है। अब उसे दो जून की रोटी जुटाना तक कठिन हो गया है। पौष्टिक आहार का मिलना तो और भी कठिन हो गया है। महँगाई बढ़ने का एक कारण यह भी है कि हमारी आवश्यकताएँ तेजी से

बढ़ती चली जा रही हैं, अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए हम किसी भी दाम पर वस्तु खरीद लेते हैं। इससे जमाखोरी और महँगाई को बढ़ावा मिलता है। महँगाई को सामान्य व्यक्ति की आय के सन्दर्भ में देखा जाना चाहिए। महँगाई के लिए अन्धाधुन्ध बढ़ती जनसंख्या भी उत्तरदायी है। इस पर भी नियन्त्रण करना होगा। महँगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। 80 से 100 रुपए किलो की दाल आम आदमी खरीदकर भला कैसे खा सकता है। सरकार को खाद्य महँगाई पर प्रभावी अंकुश लगाना परमावश्यक है जिससे आम आदमी को राहत मिल सके।

OR

वास्तव में परीक्षा के दिन कठिन उन विद्यार्थियों के लिए होते हैं, जो परीक्षा से जूझने के लिए, परीक्षा में खरा उतरने के लिए, पहले से ही समय के साथ-साथ तैयारी नहीं करते। जो विद्यार्थी प्रतिदिन की कक्षाओं के साथ-साथ परीक्षा की तैयारी भी करते जाते हैं, उन्हें परीक्षा का सामना करने से डर नहीं लगता। वे तो परीक्षा का इंतजार करते हैं। उन्हें परीक्षा के दिन कठिन नहीं, सुखद लगते हैं। वे परीक्षा की कसौटी पर खरा उतरना चाहते हैं और खरा उतरना जानते भी हैं, क्योंकि जिस प्रकार सोने को कसौटी पर परखा जाता है, उसी प्रकार विद्यार्थी की योग्यता की परख परीक्षा की कसौटी पर होती है। यही एक प्रत्यक्ष प्रमाण या मापदण्ड होता है, जिससे परीक्षार्थी के योग्यता-स्तर को जाँच कर उसे अगली कक्षा में प्रवेश के लिए या नौकरी के योग्य समझा जाता है।

परीक्षा तो विद्यार्थियों को गंभीरतापूर्वक अध्ययन करने के लिए कहती है। परीक्षा में अधिकाधिक अंक प्राप्त करने के लिए प्रतिभाशाली विद्यार्थी परीक्षा की डटकर तैयारी करते हैं, उन्हें परीक्षा से डर नहीं लगता। परीक्षा विद्यार्थियों में स्पर्धा की भावना भरती है तथा उनकी आलसी प्रवृत्ति को झकझोर कर परिश्रम करने में सहायक बनती है। परीक्षा तो परीक्षा ही होती है। पर परीक्षा-पद्धति ऐसी होनी चाहिए, जिससे विद्यार्थी की शिक्षा का मूल उद्देश्य पूरा हो, उसकी योग्यता की सही जाँच हो और उसे परीक्षा के दिन कठिन न लगें। इसके लिए सार्थक प्रयास करने होंगे और ये प्रयास तभी सफल होंगे, जब उन्हें सुनियोजित योजना के तहत लागू किया जाएगा।

24. 975/4, रामबाग,

जयपुर

दिनांक : 05 मार्च, 2019

प्रिय पवन,

सदा सुखी रहो

तुम होनहार बालक हो, व्यक्ति का विकास अध्ययन से ही होता है। अध्ययन ही व्यक्ति को पूर्णता प्रदान करता है। आज का युग संघर्ष का युग है। इसमें वही सफलता प्राप्त कर सकता है जो श्रेष्ठतम होता है और श्रेष्ठतम बनने का साधन अध्ययन ही है। अध्ययन में कभी भी आलस्य मत करना। सुचारु रूप से तुम्हारा अध्ययन चलता रहना चाहिए। साथ ही पढ़ते समय एकाग्रता भी आवश्यक है और लगन भी। आशा है इन संकेतों को समझकर तुम एकाग्रचित होकर अध्ययन में जुटे रहोगे, यही तुम्हारे लिए श्रेयस्कर है। इसी से तुम्हें परीक्षा में भी सफलता प्राप्त होगी।

तुम्हारा भ्राता,

उमेश

OR

37/3, पटेल नगर,

दिल्ली

प्रिय गौरव,

सप्रेम नमस्कार।

पर्याप्त समय से आपके पत्र के लिये हम तरस रहे हैं। हो सकता है आप अधिक व्यस्त हों या आपको हमारी याद ही नहीं आती हो, हमें तो आपकी बहुत याद आती है।

अब गर्मी की छुट्टियाँ आने वाली हैं। हमारी इच्छा है कि हम ये छुट्टियाँ साथ-साथ बिताएँ और इनका भरपूर आनंद प्राप्त करें। यदि तुम हमारे साथ होंगे तो छुट्टियों का आनन्द दो गुना हो जाएगा। मैं तुम्हारी प्रतीक्षा करूँगा।

माताजी, पिताजी को मेरा प्रणाम निवेदित करना।

तुम्हारा मित्र,

विनोद

25.

संदेश

13 अक्तूबर, 2020

दोपहर 12.30 बजे

दादा जी

आप घर पर नहीं थे। आपके मित्र गोविन्द जी का फोन आया था। उन्होंने आपको कल सुबह 10:00 बजे उनके घर बुलाया है। मैंने उन्हें बताया आप दवाई लेने अस्पताल गए हैं। मैं अपने मित्र अंकित के घर खेलने जा रहा हूँ। चाबी पड़ोस वाली आंटी के पास रखी है।

गिरीश

OR

संदेश

13 नवंबर, 20xx

सायं- 6.00 बजे

प्रिय मित्र कल दीपावली है। इस प्रकाशपर्व के अवसर पर मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि यह पर्व आपके परिवार में

सुख-समृद्धि एवं आरोग्यता लेकर आए और आप पर सदैव माता लक्ष्मीजी की कृपा बनी रहे। इस पावन प्रकाश पर्व पर मेरे परिवार की ओर से आपको और आपके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ।
गिरीश

26. पति - कैसी लगी फिल्म, अच्छी थी ना?
पत्नी - हाँ! ठीक ही थी।
पति - क्यों? ऐसा क्यों कह रही हो? क्या सिनेमा देखकर आनन्द नहीं आया?
पत्नी - ज्यादा नहीं, क्योंकि इसमें मारधाड़ के दृश्य अधिक थे और गाने भी कोई खास नहीं थे।
पति - अरे ! कितने अच्छे तो गाने थे और हीरो ने क्या स्टंट किए हैं, मुझे तो बहुत आनन्द आया और तुम कह रही हो कि तुम्हें आनन्द ही नहीं आया।
पत्नी - आपको ही मुबारक हो ऐसी मारधाड़ वाला सिनेमा। अगली बार मुझे पहले ही बता दीजियेगा कि आप मारधाड़ वाला सिनेमा देखने जा रहे हैं तो साथ नहीं आऊँगी।
पति - अरे बिगड़ती क्यों हो? अगली बार तुम्हारी पसन्द का सिनेमा देख लेंगे, ठीक है?

OR

(कक्षा में एक छात्र ने दूसरे छात्र की पिटाई कर दी है। इसकी लिखित शिकायत मिलने पर अभियुक्त छात्र को अनुशासन समिति के अध्यक्ष ने अपने कार्यालय बुलाया। उनके बीच की बातचीत इस प्रकार हुई होगी।)
अध्यक्ष : कहो गोविन्द! तुम्हारे विरुद्ध किशोर ने मारपीट की शिकायत की है? तुम तो अच्छे छात्र हो, फिर यह मारपीट क्यों?
छात्र : सर, मैं पिछले पाँच साल से विद्यालय में पढ़ रहा हूँ। मेरे विरुद्ध आपको कोई शिकायत न मिली होगी पर उस दिन किशोर ने मुझे जानबूझकर छेड़ा और जब गाली दी तो मैंने उसकी पिटाई कर दी।
अध्यक्ष : तुम जैसे अच्छे छात्र से सद्व्यवहार की आशा की जाती है। तुम्हें किशोर के साथ मारपीट न करके उसके दुर्व्यवहार की शिकायत अपने अध्यापक या अनुशासन समिति से करनी चाहिए थी।
छात्र : सॉरी सर, अब आगे आपको शिकायत का कोई मौका न दूँगा इस बार माफ कर दीजिए।
अध्यक्ष : तो ठीक है, इस बार चेतावनी देकर छोड़ रहा हूँ। आशा है तुम अपना सद्व्यवहार बनाए रखोगे।
छात्र : जी सर, जैसा आप कहें।

27. प्यार मोहब्बत भरा है जिसमें, जिससे जुड़ी हर आशा है।
मिसरी से भी मीठी है जो, वो हमारी हिंदी भाषा है।

OR

कोरोना योद्धाओं के हौसलों को, आओ मिलकर और बढ़ाते हैं।
सहयोग, समर्पण, दृढ़ विश्वास से, कोरोना को हराते हैं।।